विप्रो अर्थियन प्रतियोगिता 2013

अर्थियन कार्यक्रम इस बार आपके स्कूल को टिकाऊ पर्यावरण (सस्टेनेबिलिटी) के मुद्दे के इर्द-गिर्द रची गई गतिविधियों में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता है।

इस वर्ष अर्थियन में हमारा आग्रह है कि आप **'पानी'** की एक संसाधन के रूप में छानबीन करने के लिए अपने स्कूल में 'पानी' से सम्बन्धी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित करें, उनका विश्लेषण और दस्तावेज़ीकरण करें और फिर एक निबन्ध लिखें जो पानी और जीवन के विविध क्षेत्रों के पारस्परिक सम्बन्धों को उभारता हो। गतिविधियों की मदद से हम पानी के स्रोतों एवं उसके उपयोग का अध्ययन करेंगे और विद्यालय परिसर में पानी की गुणवत्ता को जाँचेंगे।

अर्थियन वेबसाइट पर आपके लिए एक गतिविधि पुस्तिका और कुछ वीडियो उपलब्ध हैं जो आपको कार्यक्रम में भागीदारी करने और आपकी प्रविष्टियाँ भेजने में मदद करेंगे।

इस कार्यक्रम में शालाओं का पंजीकरण निशुल्क है।

प्रविष्टियाँ हिन्दी या इंग्लिश में भेजी जा सकती हैं।

आपके पास तैयारी के लिए काफी समय है क्योंकि प्रविष्टियाँ भेजने की

अन्तिम तारीख है - 5 नवम्बर 2013

दस सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगियों को दस-दस हज़ार रुपए के पुरस्कार के साथ ही आगामी तीन वर्षों तक स्कूल में टिकाऊ पर्यावरण शिक्षण को बढ़ावा देने में हमारा सहयोग मिलता रहेगा।

अधिक जानकारी के लिए देखें : www.wipro.org/earthian

पूछताछ के लिए सम्पर्क: www.earthian.contact@wipro.com

फोन: 9901612904 (सुबह 10 से शाम 6 बजे तक)

टिकाऊ पर्यावरण और वर्तमान दौर की चुनौतियाँ

प्रत्येक शिक्षण संस्था को दुनिया, भारत तथा हमारे करीबी मुहल्लों में उभरती चुनौतियों के सन्दर्भ में अपनी प्रतिक्रिया देनी चाहिए। स्कूली बच्चों को यह समझना चाहिए कि टिकाऊपन (सस्टेनेबिलिटी) की चुनौतियाँ दरअसल क्या हैं और साथ ही उन्हें इन चुनौतियों के समाधानों पर सोच-विचार करना चाहिए।

अर्थियन कार्यक्रम के तहत हम सस्टेनेबिलिटी के केन्द्रिय सवाल को तलाशेंगे, केन्द्रिय प्रश्न है - 'एक ऐसी दुनिया में, जहाँ हम सबके लिए बेहतर जीवन का सपना देखते हैं, क्या संसाधनों के बढ़ते उपयोग का मौजूदा मॉडल, आज की तथा भावी पीढ़ियों का भार वहन कर सकेगा?'

.... अगले पेज पर जारी

अर्थियन क्यों?

ऐसा महसूस होता है कि पिछली कई शताब्दियों के दौरान एक के बाद एक समस्याओं को हल करते हुए जैसे-जैसे मानव सभ्यता का विकास होता गया, उस दौरान न केवल कुछ पुरानी समस्याएँ बरकरार रहीं बल्कि नई भी जुड़ती गईं इसलिए आज हमारे सामने कई प्रकार की समस्याएँ हैं - ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण तापमान में 2 डिग्री की सम्भावित वृद्धि, जो पिछले सात हज़ार वर्षों में हुई वृद्धि से भी अधिक है। विश्व भर में उग्र मौसम की परिघटनाओं की बढ़ती दर, धरती पर मानव के आगमन से पहले विभिन्न प्रजातियाँ जिस दर से विलुप्त हो रही थीं उसके मुकाबले आज कई गुना अधिक तेज़ी से प्रजातियों का खत्म होना, विश्व में व्यापक स्तर पर गरीबी और कुपोषण से खस्ताहाल होती इन्सानी सेहत।

इन चुनौतियों से फिलहाल हम जिन तरीकों से निपट रहे हैं, उनसे परिस्थिति में कोई खास बदलाव नहीं आ सका है। अर्थियन का लक्ष्य है स्कूलों की मदद करना ताकि हमारी युवा पीढ़ी इन चुनौतियों को समझे और उनसे निपटने के लिए जिस ज्ञान, जिन कौशलों और दृष्टिकोणों की ज़रूरत है उसे निर्मित कर सके।

अर्थियन पुरस्कार

दस सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों को अर्थियन पुरस्कार दिया जाएगा। प्रत्येक पुरस्कार में दस हज़ार रुपए, संस्था के लिए एक ट्रॉफी और विजेता टीमों को प्रमाण पत्र दिए जाएँगे।

पुरस्कार राशि स्कूल को दी जाएगी, भागीदारी करने वालों को व्यक्तिगत रूप से नहीं। यह राशि सम्बन्धित शिक्षण संस्था में सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्र में दीर्घकालिक संस्थागत क्षमतावर्धन को प्रोत्साहित करने के लिए दी जाएगी।

प्रत्येक विजेता स्कूल अर्थियन के सस्टेनेबिलिटी तथा शिक्षा सम्बन्धी सतत जुड़ाव कार्यक्रम का आगामी तीन वर्षों तक हिस्सा रहेगा।

भागीदारी सम्बन्धी सूचनाएँ

स्कूल कक्षा आठवीं तथा उससे बड़ी कक्षाओं के विद्यार्थियों की टीमों को नामांकित कर सकते हैं। प्रविष्टियाँ हिन्दी या अँग्रेज़ी में भेजी जा सकती हैं। एक स्कूल से एक से अधिक टीमें भाग ले सकती हैं। हरेक टीम में कम-से-कम एक शिक्षक ज़रूर हो।

इस कार्यक्रम में पंजीकरण निशुल्क है।

प्रविष्टियों को भेजने की **अन्तिम तिथि 5 नवम्बर 2013** है।

अधिक जानकारी के लिए देखें : www.wipro.org/earthian

पूछताछ के लिए सम्पर्क: www.earthian.contact@wipro.com

फोन: 9901612904 (सुबह 10 से शाम 6 बजे तक)